डॉ० रणबीर सिंह
डॉ० सचिन गुप्ता
डॉ० दीपक कुमार
डॉ० अनिल गुप्ता
डॉ० एस. के. सिंह

शेर-कश्मीर
कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, जम्मू

टमाटर पत्ती मुडन विषाणु रोग : लक्ष्ण एवं प्रबंधन

पादप रोग विज्ञान सम्भाग
शेर-कश्मीर
कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, चट्ठा-जम्मू

वित्तपोषित
जैव प्रौद्योगिकी विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
नई दिल्ली

टमाटर पत्ती मुडन विषाणु रोम : लक्ष्ण एवं प्रबंधन

टमाटर एक अत्यंत महत्वपूर्ण फसल है जिसकी खेती बडे भू–भाग पर की जाती है। टमाटर पत्ती मुडन रोग उष्णीकटिबधीय एवं उपोषण कटिबधित क्षेत्रों में टमाटर का भयानक रोग माना जाता है और इस रोग के कारण उपज में अत्यधिक हानी होती है। यदि इस रोग का संक्रमण सिंचाई के चार सप्ताह के भीतर हो जाए तो उत्पादकता में 90% तक हानि हो सकती है।

रोग जनक : टमाटर पत्ता मुडन रोग विषाणू

स्नानांतरण : टमाटर पत्ती मुडन सफेद मक्खी के माध्यम द्वारा स्थानानतरति होता है।

लक्षण :

- पौधे अविकसित एवं छोटो कद के रह जाते है।
- पत्तिया उपर तथा अंदर की तरफ मुड जाती है।
- पत्तिया अक्सर नीचे की तरफ मुडी हुई, सामान्य से मोटी, हल्के पीले रंग की हो जाती है।
- फल सामान्य प्रतीत होते है परन्तु फल आकार में छोटे, सूखे तथा देखने में अनाकर्षक हो जाते है।

प्रबंधन :

- रोग ग्रसित क्षेत्रों में महामारी का प्रबंधन सफेद मक्खी के प्रबंधन पर निर्भर करता है।
- इमीडाक्लीरोपिड 0.5 मी. लीटर की दर से रोग में माध्यमिक फैलाव को रोका जा सकता है।
- पौधो का चुनाव ऐसे क्षेत्रों से किया जाता चाहिए जो विषाणू एवं सफेद मक्खी के प्रकोप से मुक्त हो।
- कटाई के उपरातं फसल को सम्पूर्ण रूप से नष्ट किया जाना चाहिए।
- सफेद मक्खी की उपयुक्त रसायनी और एकीकृत कीट प्रबंधन विधि द्वारा रोकथाम की जानी चाहिए।